Literacy for a Billion

Movie: Kaajal
Year: 1965

Song: Mere Bhaiya Mere Chanda
Lyricist: Sahir Ludhianvi

मेरे भैया मेरे चंदा
मेरे अनमोल रतन
तेरे बदले मैं ज़माने की
कोई चीज़ न लूँ

मेरे भैया मेरे चंदा
मेरे अनमोल रतन
तेरे बदले मैं ज़माने की
कोई चीज़ न लूँ

तेरी साँसों की क़सम
खाके हवा चलती है
तेरे चेहरे की झलक
पाके बहार आती है

एक पल भी मेरी
नज़रों से जो तू
ओझल हो
हर तरफ़ मेरी नज़र
तुझको पुकार आती है

मेरे भैया मेरे चंदा
मेरे अनमोल रतन
तेरे बदले मैं ज़माने की
कोई चीज़ न लूँ

मेरे भैया मेरे चंदा
मेरे अनमोल रतन
तेरे बदले मैं ज़माने की
कोई चीज़ न लूँ

तेरे सेहरे की महकती हुई
लड़ियों के लिए
अनगिनत फूल उम्मीदों के
चुने हैं मैंने
वो भी दिन आएँ कि
उन ख़्वाबों की ताबीर मिले
तेरी ख़ातिर जो हसीं
ख़्वाब बुने हैं मैंने

मेरे भैया मेरे चंदा
मेरे अनमोल रतन
तेरे बदले मैं ज़माने की
कोई चीज़ न लूँ

मेरे भैया मेरे चंदा
मेरे अनमोल रतन
तेरे बदले मैं ज़माने की
कोई चीज़ न लूँ

मेरे भैया

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.